वेब आधारित अधिगम

B.Ed 2nd year — 7 may 2020
समावेशी शिक्षा — Thursday

Web Based Learning :

"वेब आधारित अधिगम से हमारा तात्पर्य ऑनलाइन अधिगम से है, क्योंकि इसमें ऑनलाइन सामग्री, विषय वस्तु शामिल की जाती है।"

ई-मेल, वीडियो कांफ्रेंसिंग और लाइव वेबकास्ट (video streaming) आदि के माध्यम से विचार-विमर्श वेब के द्वारा सम्भव हुआ है। वेब आधारित पाठ्यक्रम को भी मुद्रित पाठ्यक्रम सामग्री की तरह स्थिरता (Static) प्रदान की जा सकती है। पाठ्यक्रम का उपयोग करने के लिए वेब पृष्ठ को हाइपरलिंक के माध्यम से अन्य पृष्ठों से जोड़ा जाता है।

इस प्रकार से वेब आधारित जानकारी (ज्ञान) के एक विशाल राशि के उपयोग में हम सक्षम हो जाते हैं।

1990 के पश्चात वेब आधारित शिक्षा शैक्षिक प्रौद्योगिकी की एक बहुत ही महत्वपूर्ण शाखा बन गई।

वेब आधारित अधिगम की विशेषताएँ

(1) शैक्षिक संगठनों पर प्रभाव।
(2) वेब प्रौद्योगिकी का प्रयोग।
(3) शैक्षिक संगठनों पर प्रभाव।
(4) पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, नोटिस बोर्ड आदि की जानकारी वेब से प्राप्त।
(5) ई-मेल, चैट, वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा ज्ञान की प्राप्ति।

वेब के प्रकार

(1) ई-लर्निंग
(2) दूरस्थ शिक्षा
(3) अनुकूल अधिगम।

वेब आधारित अधिगम का प्रयोग

1 ⇒ समूह में काम करते हुए ज्ञान प्राप्त करना हो।
2 ⇒ अधिगम को निरन्तर मजबूत करना हो।
3 ⇒ अधिगम की विभिन्न शैलियों में सामंजस्य स्थापित करना हो।
4 ⇒ शिक्षार्थी (व्यापार, नौकरी) प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहता हो।
5 ⇒ सामान्य शिक्षार्थी का कार्य क्षेत्र अत्याधिक विस्तृत हो।
6 ⇒ जब विशिष्ट/सामान्य छात्र/शिक्षार्थी तकनीकी उन्मुख शिक्षा प्राप्त नहीं कर रहा है।

B.R.C. Deoband
ARMIS Pro — Sapna Tyagi

Scanned with CamScanner